

TS Samhita – TS 1 Sanskrit Corrections – Observed till 30th June 2021

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
1.2.12.2 – Vaakyam Line No. - 5 Panchaati No. 23	पा॒तु॒ सि॒॒॒ही॒र॒सि॒ स॒प॒न॒सा॒ही॒	पा॒तु॒ सि॒॒॒ही॒र॒सि॒ स॒प॒न॒सा॒ही॒
TS 1.5.2.2 – Vaakyam Line No. – 1 Panchaati No.- 5	ध॒त्ते॒ श॒ता॒क्ष॒रा॒ भ॒व॒न्ति॒	ध॒त्ते॒ श॒ता॒क्ष॒रा॒ भ॒व॒न्ति॒
TS 1.8.1.1 – Vaakyam Line No. - 2 Panchaati No. - 1	श॒ँया॒या॒ अ॒व॒शी॒य॒न्ते॒	श॒म्या॒या॒ अ॒व॒शी॒य॒न्ते॒
TS 1.8.9.3 – Vaakyam Line No. - 2 Panchaati No. - 17	प॒य॒सि॒ बा॒र्ह॒स्प॒त्यो॒ येऽ॒कर्णाः॒	प॒य॒सि॒ बा॒र्ह॒स्प॒त्यो॒ येऽ॒कर्णाः॒

=====

TS Samhita – TS 1 Sanskrit Corrections – Observed till 31st August 2020

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
1.1.14.3 – Vaakyam Line No. 2 Panchaati No. 27	मधुमन्तमूर्मि धेनुरिव ।	मधुमन्तमूर्मि धेनुरिव ।
TS 1.4.27.1 – Vaakyam Line No. – 2 Panchaati No. 28	गृह्णाम्यग्रा(3)इ पत्नीवा(3)	गृह्णाम्यग्ना(3)इ पत्नीवा(3)
TS 1.5.3.2 – Vaakyam Line No. – Last line Panchaati No.- 11	सप्त ते अग्ने	सप्त ते अग्ने

=====

TS Samhita – TS 1 Sanskrit Corrections – Observed till 30th June 2020

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
1.1.7.1 – Vaakyam Line No. 1 Panchaati No. 10	धृष्टिरसि ब्रह्म यच्छा	धृष्टिरसि ब्रह्म यच्छा
1.1.8.1 – Vaakyam Line No. 3 Panchaati No. 12	त्वा सं यौग्नये	त्वा सं यौग्नये

1.1.9.3 – Vaakyam Line No. Last line Panchaati No. 15	जी॒रदा॒नु॒र्यामै॒रयं॑ च॒न्द्रम॑सि	जी॒रदा॒नु॒र्यामै॒रयन् च॒न्द्रम॑सि (anuswaram replaced with “n”)
1.1.10.3 – Vaakyam Line No. Last line Panchaati No. 17	तेऽक्षी॑यमाणस्य नि – [] 17 <u>TS 1.1.10.3</u> व॒पामि॑,	तेऽक्षी॑यमाणस्य निर – [] 17 <u>TS 1.1.10.3</u> व॒पामि॑, (it is “nirvapaami”), missing “r” added
TS 1.3.1.2 – Vaakyam Line No. 6 Panchaati No. 2	इ॒मा () भ॑वन्तु वि॒श्वतो॑	इ॒मा () भ॑वन्तु वि॒श्वतो॑
TS 1.3.1.2 – Vaakyam Line No. 3 Panchaati No. 2	सु॒प्रजा॒वनि॑ꣳ रा॒यस्यो॑ष॒वनिं॑	सु॒प्रजा॒वनि॑ꣳ रा॒यस्यो॑ष॒वनिं॑
TS 1.3.2.1 – Vaakyam Line No. 3 Panchaati No. 3	व॒लगः॑ कि॒मत्र॑ भ॒द्रं	व॒लगः॑ कि॒मत्र॑ भ॒द्रं
TS 1.3.3.1 – Vaakyam Line No. 5 Panchaati No. 5	सु॒वज्यो॑ति ब्र॒ह्मज्यो॑तिर॒सि	सु॒वज्यो॑तिर्ब्र॒ह्मज्यो॑तिर॒सि
TS 1.3.6.1 – Vaakyam Line No. – Last Line Panchaati No. 10	॥ धा॒मान्यु॑श्म॒सि – [] 10	॥ धा॒मान्यु॑श्म॒सी – [] 10

TS 1.4.18.1 – Vaakyam Line No. 1 Panchaati No. 19	इ॒ह पा॒हि सोमं॑ — —	इ॒ह पा॒हि सोमं॑ — —
TS 1.4.20.1 – Vaakyam Line No. – last line Panchaati No. 21	ते॒ योनि॑र्महेन्द्रा॒य त्वा ॥ 21 — —	ते॒ योनि॑र्महेन्द्रा॒य त्वा ॥ 21 — —
TS 1.4.42.1 – Vaakyam Line No. – 1 Panchaati No. 43	सजोषा॑ इन्द्रः॒ सगणो॑ — —	सजोषा॑ इन्द्रः॒ सगणो॑ (visargam deleted)
TS 1.5.1.2 – Vaakyam Line No. – Last Line Panchaati No.- 2	इति॑ तं पू॒षाऽऽध॑त्त तेन॑ — —	इति॑ तं पू॒षाऽऽध॑त्त तेन॑ — —
TS 1.5.2.2 – Vaakyam Line No. – 4 Panchaati No.- 6	वाच॑ꣳ सꣳ सृ॒ष्टां य॑जमान॑ — —	वाच॑ꣳ सꣳ सृ॒ष्टां य॑जमान॑ (it is [gm])
TS 1.5.2.4 – Vaakyam Line No. – 3 Panchaati No.- 8	कर्त॑व्यं य॑जु र्य॒ज्ञस्य॑ — —	कर्त॑व्यं य॑जु र्य॒ज्ञस्य॑ — —
TS 1.5.6.3 – Vaakyam Line No. – Last line Panchaati No.- 23	सह॑स्रपोषं॑ वः — —	सह॑स्रपोषं॑ वः — —
TS 1.5.8.4 – Vaakyam Line No. – 1 Panchaati No.- 34	ऊ॒र्जा वः प॒श्यां य॑ूर्जा — —	ऊ॒र्जा वः प॒श्याम्य॑ूर्जा — —
TS 1.6.2.3 – Vaakyam Panchaati 6 Last Line	दे॒वय॑ज्यया॒न्नादो॑ भूयासं॑ — —	दे॒वय॑ज्यया॒न्नादो॑ भूयासं॑ — —

TS 1.6.9.2 – Vaakyam Line No. – Last Line Panchaati No. - 30	परमां काष्ठामगच्छतां यँ	परमां काष्ठामगच्छतां यँ
TS 1.7.1.4 – Vaakyam In last line 4th Panchaati	सामि प्राश्नन्ति – [] 4	सामि प्राश्नन्ति – [] 4
TS 1.7.3.4 – Vaakyam Line No. - 5 Panchaati No - 14	ह्यमुष्मिन् लोके	ह्यमुष्मिन् लोके
TS 1.8.10.1 – Vaakyam Line No. - 4 Panchaati No. - 18	चरुमिन्द्राय ज्येष्ठाय	चरुमिन्द्राय ज्येष्ठाय

=====

TS Samhita – TS 1 Sanskrit Corrections – Observed till 31st March 2020.

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
TS 1.1.13.1 – Vaakyam 22nd Panchaati	निग्राभेणाधराञ् अकः । विषूचीनान् व्यस्यतां । वियन्तु वयः ।	निग्राभेणाधराञ् अकः ॥ विषूचीनान् व्यस्यतां ॥ वियन्तु वयः ॥ (single Ruk stop is replaced with double)

TS 1.3.12.1 – Vaakyam In first line 21st Panchaati	दे॒वो अ॒ध्व॒रो ह॒विष्मा॒ꣳ	दे॒वो अ॒ध्व॒रो ह॒विष्मा॒ꣳ
TS 1.3.12.1 – Vaakyam In 2nd line 21st Panchaati	ह॒विष्मा॒ꣳ अ॒स्तु सूर्यः॑ ॥	ह॒विष्मा॒ꣳ अ॒स्तु सूर्यः॑ ॥
TS 1.3.13.1 – Vaakyam In 2nd line 22nd Panchaati	सूर्या॑य त्वो॒ध्वमि॒मम॒ध्व॒रं कृ॑धि	सूर्या॑य त्वो॒ध्वमि॒मम॒ध्व॒रं कृ॑धि
TS 1.3.13.2 – Vaakyam In 2nd line 23rd Panchaati	इन्द्रि॑यावा॒न्-मदि॑न्तम॒स्तं दे॒वेभ्यो॑	इन्द्रि॑यावा॒न्-मदि॑न्तम॒स्तं दे॒वेभ्यो॑
TS 1.3.14.4 – Vaakyam In 3rd line 27th Panchaati	पृथू॑न्यग्नि॒रनु॒याति॑ भ॒वन् ॥	पृथू॑न्यग्नि॒रनु॒याति॑ भ॒वन् ॥
TS 1.3.14.5 – Vaakyam In 2nd line 28th Panchaati	जा॒तवे॒दो वि॒चर्ष॑णे ।	जा॒तवे॒दो वि॒चर्ष॑णे ।
TS 1.3.14.8 – Vaakyam In 1st line 31st Panchaati	आ॒रे ब॒धस्व दु॒च्छु॒नां ॥	आ॒रे बा॒धस्व दु॒च्छु॒नां ॥
TS 1.3.14.8 – Vaakyam In 3rd line 31st Panchaati	पा॒वक॑ रो॒चिषो॑ म॒न्द्रया॑	पा॒वक॑ रो॒चिषो॑ म॒न्द्रया॑
TS 1.4.3.1 – Vaakyam In last line 4th Panchaati	ए॒ष ते यो॒निर॒पा॒नाय॑ त्वा ॥	ए॒ष ते यो॒निर॒पा॒नाय॑ त्वा ॥

TS 1.4.13.1 – Vaakyam In 1st line 14th Panchaati	वै॒श्वान॒रमृ॒ताय॑ जा॒तम॒ग्निं । — — — —	वै॒श्वान॒रमृ॒ताय॑ जा॒तम॒ग्निं । — — — —
TS 1.5.1.4 – Vaakyam In 2nd line 4th Panchaati	प्र॒जां प॒शून् यज॑मा॒नस्यो॑प — — — —	प्र॒जां प॒शून् यज॑मा॒नस्यो॑प — — — —
TS 1.5.7.1 – Vaakyam In 3rd line 25th Panchaati	प॒शूनि॒मं लो॒कमु॒पैत्य॑स्य प्र॒त्नाम॒नु — — — —	प॒शूनि॒मं लो॒कमु॒पैत्य॑स्य प्र॒त्नाम॒नु — — — —
TS 1.5.7.3 – Vaakyam In 2nd line 27th Panchaati	सँव॑त्सरः स॒म्वँ॑त्सर ए॒व — — — —	सँव॑त्सरः स॒म्वँ॑त्सर ए॒व (unwanted lower swaran under “sa” deleted)
TS 1.6.7.3 – Vaakyam In 1st line 23rd Panchaati	इ॒न्वा उप॑स्ती॒र्ण-मि॒च्छन्ति॑ — — — —	इ॒न्वा उप॑स्ती॒र्ण-मि॒च्छन्ति॑ — — — —
TS 1.6.10.5 – Vaakyam In 5th line 37th Panchaati	यँ॒ज्ञो यज॑मा॒नस्य॑ वर्॒षति॑ — — — —	यँ॒ज्ञो यज॑मा॒नाय॑ वर्॒षति॑ — — — —
TS 1.6.11.3 – Vaakyam In 3rd line 41st Panchaati	दि॒शोऽद॑स्यन्त ए॒तामा॒र्द्रां — — — —	दि॒शोऽद॑स्यन्त ए॒तामा॒र्द्रां — — — —
TS 1.6.11.4 – Vaakyam In 5th line 42nd Panchaati	छ॒न्दस्यः॑ प्र॒जाप॑ति॒रा श्रा॒वया॑ऽस्तु — — — —	छ॒न्दस्यः॑ प्र॒जाप॑ति॒रा श्रा॒वया॑ऽस्तु — — — —
TS 1.7.1.4 – Vaakyam In last line 4th Panchaati	सा॒मि प्रा॒श्नन्त॑ – [] 4 — — — —	सा॒मि प्रा॒श्नन्ति॑ – [] 4 — — — —

TS 1.7.3.4 – Vaakyam In Last line 14th Panchaati	नास्यामुष्मिन् लोकेऽन्नं क्षीयते ॥	नास्यामुष्मिन् लोकेऽन्नं क्षीयते ॥
TS 1.7.4.1 – Vaakyam In last line 15th Panchaati	तिष्ठति दर्शपूर्णमासयो – [] 15	तिष्ठति दर्शपूर्णमासयोर् – [] 15
TS 1.7.4 3– Vaakyam In 4th line 17th Panchaati	पुरस्ता-च्चोपरिष्ठा-च्चरोहितेन	पुरस्ता-च्चोपरिष्ठा-च्चरोहितेन
TS 1.7.5 3– Vaakyam In 4th line 23rd Panchaati	भूतानि व्रतमुपयन्तमनूप यन्ति	भूतानि व्रतमुपयन्तमनूप यन्ति
TS 1.7.8.4 – Vaakyam In last line 5th Panchaati	समधद्ध्वमजीजिपत वनस्पतय	समधद्ध्वमजीजिपत वनस्पतय
TS 1.7.13.1 – Vaakyam In 2nd line 47th Panchaati	आजिहत जायमानं ॥	अजिहत जायमानं ॥
TS 1.8.3.1 – Vaakyam In 7th line 4th Panchaati	यच्छूद्रे यदर्य एनश्चकृमावयं	यच्छूद्रे यदर्य एनश्चकृमावयं
TS 1.8.10.1 – Vaakyam In 5th line 18th Panchaati	मेकादशकपालं महाव्रीहीणां मित्राय	मेकादशकपालं महाव्रीहीणां मित्राय
TS 1.8.13.2 – Vaakyam In last line 25th Panchaati	ज्योतिष्माञ्च सत्यश्चर्तपाश्च-[] 25	ज्योतिष्माञ्च सत्यश्चर्तपाश्चा-[] 25

TS 1.8.18.1 – Vaakyam In first line 34th Panchaati	क्री॒णन्ति॑ पु॒ण्डरि॑स्त्र॒जां प्र॑यच्छति	क्री॒णन्ति॑ पु॒ण्डरि॑स्त्र॒जां प्र॑यच्छति
TS 1.8.22.5 – Vaakyam In 4th line 42nd Panchaati	त॒नूषु॑ भे॒षजा॑नि॒ धत्तं॑	त॒नूषु॑ भे॒षजा॑नि॒ धत्तं॑

=====

TS Samhita Paatam – TS 1 Sanskrit Corrections – Observed till 31st May 2019.

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
1.1.1.1 - Vaakyam 1st Panchaati	दे॒व॒भ॒ग॒-मूर्ज॑स्व॒तीः॑	दे॒व॒भा॒ग॒-मूर्ज॑स्व॒तीः॑
1.1.2.2 - Vaakyam 3rd Panchaati	ते॑ ग्र॒न्थिं॑ ग्र॒थ्नातु॑	ते॑ ग्र॒न्थिं॑ ग्र॒थ्नातु॑
1.1.11.1 – Vaakyam Para No 19	ब॒र्हि॒ष॒भ्य॑	ब॒र्हि॒ष॒द्भ्य॑
1.1.13.3- Vaakyam 24th Panchaati	धत्तं॑ धु॒रि॑ धु॒र्यौ॑	धत्तं॑ धु॒रि॑ धु॒र्यौ॑

1.2.7.1. Padam 14 th Panchati	क्री॒णामी॑ — — —	क्री॒णामि॑ — — —
1.2.9.1 Padam 17 th Panchati	द॒धत् — —	द॒धत् (it is “gha”) — —
1.2.9.1 Padam 17 th Panchati	स्व॒स्त्यय॒नीति॑ स्व॒स्ति — अ॒यनि॑ — — —	स्व॒स्त्यय॒नीति॑ स्व॒स्ति — अ॒यनी॑ — — —
1.2.14.6 Padam 33rd Panchati	त्वो॒ता — —	त्वो॒ताः (missing visargam added) — —
1.3.3.1 - Vaakyam 5th Panchati	पि॒पृहि॑ मा॒ मा मा॑ — — —	पि॒पृहि॑ मा॒ मा मा॑ — — —
1.3.4.2 - Vaakyam 7th Panchaati	द॒भ दे॒तत्व॑ꣳ सोम॑ — — —	द॒भ दे॒तत्व॑ꣳ सोम॑ — — — (it is “ttva”)
1.3.5.1 - Vaakyam 9th Panchaati	व॒नस्प॑ते श॒तव॑ल्.शो॒ — — —	व॒नस्प॑त श॒तव॑ल्.शो॒ — — —

		it is “valshO” not “valshE”
1.3.5.1 - Vaakyam 9th Panchaati	वि रोह॑ सह॒स्र॑वल्.श॒	वि रोह॑ सह॒स्र॑वल्.शा॒ (it is deegham)
1.3.10.1 - Vaakyam 18th Panchaati	स॒म॒रि॒णन् वा॒तस्य॑	स॒म॒रि॒णन् वा॒तस्य॑
1.3.14.3 -Vaakyam last line	भा॒र॒ता॒ग्ने॑	भा॒र॒ता॒ग्ने॑ (avagraham not required)
1.3.14.7 - Vaakyam 30th Panchaati	र॒यि॒ꣳ सह॒स्व॒	र॒यि॒ꣳ सह॒स्व॒
1.4.24.1 - Vaakyam 25th Panchaati	अ॒द॒ब्धो॑भिः स॒वितः॑	अ॒द॒ब्धे॑भिः स॒वितः॑ (it is “bdhe”)
1.4.40.1 – Vaakyam 25th Panchaati	भ॒व॒ यच्छा॑स्मै श॒र्म॑	भ॒व॒ यच्छा॑स्मै श॒र्म॑
1.4.42.1 - Vaakyam 43th Panchaati	पि॒ब वृ॒त्रह॑ञ्छू॒र वि॒द्वान्	पि॒ब वृ॒त्रह॑ञ्छू॒र वि॒द्वान्

1.5.1.4 - Vaakyam 4th Panchaati	ऋ॒तु॒भ्य॑ ए॒वैन॑म॒वरु॑द्ध्याऽऽ*ध॒त्ते	ऋ॒तु॒भ्य॑ ए॒वैन॑म॒वरु॑द्ध्याऽऽ*ध॒त्ते
1.5.5.1 - Vaakyam 17th Panchaati	यम॑प्र॒वानो॑ भृ॒गवो॑	यम॑प्र॒वानो॑ भृ॒गवो॑
1.5.11.4 - Vaakyam 50th Panchaati	दधि॑क्राः श॒वास॑ पञ्च॑	दधि॑क्राः श॒वसा॑ पञ्च॑
1.6.5.1 - Vaakyam 15th Panchaati	य॑ज्ञं प्र॒ति दे॒वय॑भ्यः	य॑ज्ञं प्र॒ति दे॒वय॑द्भ्यः
1.6.7.3 - Vaakyam 23rd Panchaati	स्या॑दा॒रण्य॑स्या-॒इना॑ति॒न्द्रि॒यं	स्या॑दा॒रण्य॑स्या-॒इना॑ती॒न्द्रि॒यं
1.6.9.2 - Vaakyam 30th Panchaati	पर॑मां का॒ष्ठाम॑ग॒च्छतां॑ य॒	पर॑मां का॒ष्ठाम॑ग॒च्छतां॑ य॒
1.6.11.4 - Vaakyam 42 nd Panchaati	वै छ॒न्दस्यः॑ प्र॒जाप॑ति॒रा	वै छ॒न्दस्यः॑ प्र॒जाप॑ति॒रा
1.7.1.1-(Vaakyam) 1 st Panchaati	वै पा॑क॒यज्ञः॑ सै॒षाऽन्तरा॑	वै पा॑क॒यज्ञः॑ सै॒षाऽन्तरा॑ (no swarm)

1.7.1.3-(Vaakyam) 3rd Panchaati	ह्वयेतापशुरेव भवन्ति यं	ह्वयेतापशुरेव भवति यं
1.7.4.3 - (Vaakyam) 17th Panchaati	पुरस्ता-च्चोपरिष्ठा-च्चरोहितेन रोहितेन । त्वा ।	पुरस्ता-च्चोपरिष्ठा-च्चरोहितेन रोहितेन । त्वा ।
1.7.4.4 - (Vaakyam) 18th Panchaati	एवान्ततः प्रतितिष्ठति	एवान्ततः प्रतितिष्ठति
1.7.4.5 - (Vaakyam) 19th Panchaati	प्रभूयासमित्याहै-तस्माद्वै	प्रभूयासमित्याहै-तस्माद्वै
1.7.4.5 - (Vaakyam) 19th Panchaati	मिथुनात् प्रजापति मिथुनेन	मिथुनात् प्रजापति मिथुनेन
1.7.10.2-(Vaakyam) 41st Panchaati	अर्यमण बृहस्पतिमिन्द्रं	अर्यमणम् बृहस्पतिमिन्द्रं (anuswaram added)
1.7.10.3-(Vaakyam) 42nd Panchaati	साम्राज्येनाभिषिञ्चामीन्द्रस्य	साम्राज्येनाभिषिञ्चामीन्द्रस्य

1.7.11.2-(Vaakyam) 44th Panchaati	व॒स॒व॒स्त्रयो॑ द॒शाक्ष॑रेण	व॒स॒व॒स्त्रयो॑ द॒शाक्ष॑रेण
1.7.12.1-(Vaakyam) 45th Panchaati	त्वा॒प॒या॒म॒गृ॒हीतो॑ ऽस्य॒फ॒सु॒ष॒दं	त्वो॒प॒या॒म॒गृ॒हीतो॑ ऽस्य॒फ॒सु॒ष॒दं
1.7.13.1-(Vaakyam) 47th Panchaati	वि॒श्व॒म॒नु॒ वृ॒त्र॒ ह॒त्ये॑ ।	वि॒श्व॒म॒नु॒ वृ॒त्र॒ ह॒त्ये॑ ।
1.8.1.1 - Vaakyam 1 st Panchaati	ह॒वि॒ष्म॒त्य॒सि॒ मु॒ञ्चे॑म॒म॒ॐ	ह॒वि॒ष्म॒त्य॒सि॒ मु॒ञ्चे॑म॒म॒ॐ
1.8.5.2 - Vaakyam 8th Panchaati	वि॒प्रा॒ न॒वि॒ष्ट॒या॒ म॒ती॒ ।	वि॒प्रा॒ न॒वि॒ष्ट॒या॒ म॒ती॒ ।
1.8.11.1- Vaakyam 20th Panchaati	या॒भि॒रि॒न्द्र॒म॒न॒य॒न्न॒त्य॒ () रा॑तीः ।	या॒भि॒रि॒न्द्र॒म॒न॒य॒न्न॒त्य॒ () रा॑तीः । (it is "ndra")
1.8.13.1- Vaakyam 24th Panchaati	प॒ञ्च॒द॒श॒स्तो॒मो॑ बृ॒ह॒थ्सा॑मेन्द्रा	प॒ञ्च॒द॒श॒स्तो॒मो॑ बृ॒ह॒थ्सा॑मेन्द्रा
1.8.13.1- Vaakyam 24th Panchaati	स॒प्त॒द॒श॒स्तो॒मो॑ वै॒रूप॑ॐ	स॒प्त॒द॒श॒स्तो॒मो॑ वै॒रूप॑ॐ
1.8.19.1- Vaakyam 35th Panchaati	आ॒ग्ने॒य॒म॒ष्टा॑क॒पालं॑ निर्व॒प॒ति॒	आ॒ग्ने॒य॒म॒ष्टा॑क॒पालं॑ निर्व॒प॒ति॒

1.8.19.1- Vaakyam 35th Panchaati	तिसृ॒धन्व॑ शु॒ष्कदृ॒ति र्दक्षि॑णा ।	तिसृ॒धन्व॑ शु॒ष्कदृ॒ति र्दक्षि॑णा ।
1.8.21.1- Vaakyam 37th Panchaati	पित॑रस्तृ॒ष्णुत॒ वड॑बा दक्षि॑णा ।	पित॑रस्तृ॒ष्णुत॒ वड॑बा दक्षि॑णा ।

Taittirlya Samhita – TS 1 Sanskrit Corrections –Observed till 31st January 2019

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
TS 1.1.1.1	ई॒शत॒ माऽघ॑सो रु॒द्रस्य॑	ई॒शत॒ माऽघ॑श॒सो रु॒द्रस्य॑ (श॒ inadvertently got deleted)
TS 1.1.2.1	त्वाऽन्व॑ङ् मा ति॒र्यक्	त्वाऽन्व॑ङ् मा ति॒र्यक्
TS 1.1.4.2 towards end	सा॒दया॒मग्ने॑ ह॒व्य॑	सा॒दया॒म्यग्ने॑ ह॒व्य॑

TS 1.1.7.1	प्रा॒णं दृ॑हापा॒णं	प्रा॒णं दृ॑हापा॒णं
TS 1.1.7.2	व्र॒त इन्द्र॑वायू वि	व्र॒त इन्द्र॑वायू वि
TS 1.1.9.3 First line	मौ॒गर॒रुस्ते दि॒वं	मौ॒गर॒रुस्ते दि॒वं
TS 1.2.8.2	स्कं॑भनमसि वरु॑णस्य कं॑भस॒र्जनम॑सि	स्कं॑भनमसि वरु॑णस्य स्कं॑भस॒र्जनम॑सि (s deleted only in Sanskrit version)
TS 1.2.13.3	विष्णोः॑ इ॒न्य॒त्रै॑ स्थो	विष्णोः॑ इ॒न्य॒त्रै॑ स्थो
TS 1.3.9.1	त॒त्त आ प्या॑यतां त॒त्त	त॒त्त आ प्या॑यतां त॒त्त
TS 1.4.1.2	तेना॑स्मै यज॑माना॒योरु	तेना॑स्मै यज॑माना॒योरु

TS 1.4.44.3	घ॒र्म दि॒व॒मा ति॒ष्ठ॒ताऽनु॑	घ॒र्म दि॒व॒मा ति॒ष्ठ॒तानु॑
TS 1.5.1.1	यँ॑दश्च॒शी॒य॒त॒ तद्	यँ॑दश्च॒वी॒य॒त॒ तद्
TS 1.5.7.4 line 1	उ॒प ति॒ष्ठ॒ते या॒ञ्चै॒वा॒स्यै॒षो॒प॑	उ॒प ति॒ष्ठ॒ते या॒च्चै॒वा॒स्यै॒षो॒प॑
TS 1.5.11.3	वा॒ज॒म॒ग्ने॒ त॒वो॒ ऽति॒भिः॑ ।	वा॒ज॒म॒ग्ने॒ त॒वो॒ति॒भिः॑ ।
1.6.12.1 Vaakyam	नु॑-[] 46	अनु॑-[] 46 (deletion of 'a')

=====